तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय दाहोद

मासिक पत्रिका

नवंबर -2023

हमारे मार्गदर्शक

श्रीमती श्रुति भार्गव, उपायुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

अहमदाबाद सम्भाग

श्रीमती विनीता शर्मा, सहायक आयुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

अहमदाबाद सम्भाग

श्रीमती मीना जोशी, सहायक आयुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

अहमदाबाद सम्भाग

श्री वैंकटेश प्रसाद, सहायक आयुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

अहमदाबाद सम्भाग

श्री एनोश सैमसन, प्राचार्य

केन्द्रीय विद्यालय दाहोद

सम्पादक मण्डल

मुख्य सम्पादक

श्रीमती अर्चना शर्मा

स्नातकोत्तर शिक्षिका, हिन्दी

सह सम्पादक

श्री भूपेन्द्र सिंह परनामी

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, संस्कृत

श्री नरेश ठाकोर

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, अंग्रेजी

कला सज्जा

श्री रामशरण सेठी

कला शिक्षक

संगणक कार्य

श्री अमजद खान

गतिविधि अनुक्रमणिका

क्रमांक	गतिविधि
1	विद्यार्थी भाव-वाटिका-हिन्दी
2	विद्यार्थी भाव-वाटिका- संस्कृत
3	**Students' Expressions Corner**

4. विद्यालयीन गतिविधियाँ

1. सतर्कता जागरूकता सप्ताह
2. जनजातीय गौरव दिवस
3. संविधान दिवस
4. भारतीय भाषा उत्सव
5. कला-दीर्घा

विद्यार्थी भाव-वाटिका- हिन्दी

मेरी माँ

मेरी माँ कभी न थकती।
थक-कर बाहर से आती, पर फिर भी हँसती,
मेरी माँ कभी न थकती।
हमेशा आगे बढ़ने की सीख देती, अच्छे से स्कूल भेजती,
मेरी माँ कभी न थकती।
अच्छी अच्छी बात सिखाती,
मेरी माँ कभी न थकती।
सबकी सारी बातें सुनती सबका पूरा ध्यान रखती,
मेरी माँ कभी न थकती।

स्वरचित- राष्ट्रवर्धन यादव, कक्षा- 3 अ

एक लालची कुत्ता

एक लालची कुत्ता था। एक दिन उसे एक रोटी मिली। रोटी लेकर वह एक पुल के ऊपर से नदी पार कर रहा था। तभी उसकी नजर एक कुत्ते पर पड़ी जो नदी के ठहरे पानी में दिखाई दे रहा था। उसने देखा उस कुत्ते के पास भी एक रोटी है। उसने सोचा कि क्यों न उस नीचे वाले कुत्ते से वह रोटी छीन लूँ, तो मेरे पास दो रोटियां हो जाएगीं। ऐसा सोच कर उसने भोंकना शुरु कर दिया। जिससे उसके मुंह से रोटी नीचे पानी में जा गिरी। उसे समझ आ गया कि नीचे जो कुत्ता उसे दिखाई दे रहा था वह उसी की परछाई थी। लालच में आकर कुत्ते को एक भी रोटी नसीब नहीं हुई।

इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि लालच बुरी बला है।

संकलन- आराध्या मीणा, कक्षा पांचवी

पहेलियाँ

बचपन जवानी हरी भरी, बुढापा हुआ लाल, हरी थी तब फूटी थी जवानी,
लेकिन बुढापे में मचाया धमाल!
उत्तर- लाल मिर्च

बताओ कौन-सा जानवर है, जो सोते समय भी जूते पहनकर रखता है।
- घोडा

छोटा सा है उसका पेट, लेता सारा जगत समेट, चार अक्षर का उसका नाम,
कहानी-कविता भी करता हमको भेंट।
- अखबार

जेब में रहता हूँ हरदम, हर कोइ मुझको जाने,
बात करता दूर-दूर की, हर कोइ मुझको माने,
कोइ मेरा नाम पुकारे, तब गाता हुँ मैं गाने।
- मोबाइल

संकलन- निकिता, कक्षा - दसवीं

विद्यार्थी भाव-वाटिका- संस्कृत

प्रयत्नो विधेयः

प्रयत्नेन कार्ये सुसिद्धिर्जनानाम् ।
प्रयत्नेन सद्बुद्धिवृद्धिर्जनानाम् ।।
प्रयत्नेन युद्धे जयः स्याज्जनानाम,
प्रयत्नो विधेयः प्रयत्नो विधेयः।।

प्रयत्नेन धीराः समुद्रं तरन्ति,
प्रयत्नेन वीराः गिरीन् लंगयन्ति
प्रयत्नेन विज्ञाः वियत्युन्ति,
प्रयत्नो विधेयाः प्रयत्नो विधेयः ।।

कठोरः प्रयत्नान्मृद्त्वं प्रयाति,
प्रयत्नादसाध्य भवत्येव साध्यम् ।
प्रयत्नादयोग्या: सुयोग्धा भवन्ति
प्रयत्नो विधेयः प्रयत्नो विधेयः ।।

प्रयत्नेन मुक्तिं श्रिता: भारतीया:
प्रयत्नेन ऋद्धिं गता: भारतीया: ।
प्रयत्नेन विश्पपिया: भारतीया:
प्रयत्नो विधेयः प्रयत्नो विधेयः।।

संकलनम्- राखी मिश्रा, कक्षा - सप्तमी

सुभाषचन्द्रबोसः

सुभाषचन्द्रः बोसस्य जन्म उत्कलप्रदेशस्य कटकनगरे 1897 तमे वर्षे जनवरी मासस्य त्रयोविंशति दिनांके अभवत्। अस्य पिता जानकीनाथः बोसः माता च प्रभावती देवी आसीत्। तस्य पिता जानकीनाथः विचक्षणः वकीलः आसीत्। भारतमातुः वीरसुपुत्रेषु नेताजी अन्यतमः आसीत्। अस्य पूर्णनाम सुभाषचन्द्रः आसीत्।

सः कोलकाता नगर्यां शिक्षां प्राप्तवान्। सः बाल्यकालादेव बुद्धिमानः धीरः साहसयुक्तः च आसीत्। सः असहयोग आन्दोलने संलग्नः अभवत्। सः भारतीयजनानां प्रेरणास्रोतः आसीत्।

सः "आजादहिन्दफौजः" इत्याख्यां सेनां संघटितवान्। सः जर्मनीस्थ-आकाशवाणी केन्द्रात् भारतीय जनेभ्यः स्वाधीनतायाः सन्देशं दत्तवान्। सः भारतीयजनान् प्रतिआह्वानम् अकरोत्- यूयं मह्यं रक्तमर्पयत्, अहं युष्मभ्यं स्वतंत्रतां दास्यामि।

संकलनम्- कृष भाभोर, कक्षा- सप्तमी

संस्कृतदिवसः

आमंत्रितोल्लासविलासिवर्षः

विवृध्दवृध्दौघहृयषीकहर्षः।

विद्योतितच्छात्रगुणप्रकर्षः

सुपर्वभाषादिवसोड्यमार्षः।

मनोमुदः कोविदकुंजराणां

तन्यन्त एतेन च निर्जराणाम्।

गुणैर्गरिष्ठैरिह भासमानो

विराजतां संस्कृतवासरोड्यम्।

प्रतिप्रदेशं किल कीर्तिघोषः

जैनः समुत्तोलय मुदा स्वदोषः।

गर्वाणवाणीगुणगोरवाण

माचर्यते संसदि कोविदानाम्।

संकलनम्- मुस्कान सिन्हा- कक्षा नवमी

Students' Expressions Corner –ENGLISH

MOTHER

What is a home without mother?

Mother is the best companion at home.

A house without a mother is like a ghost house.

God could not be everywhere that's why he made mother.

Mother is the name of God in the lips and heart of little children.

One good mother is worth hundred teachers.

Tanvi Sharma- IV B

Great Ashoka

According to Buddhist tradition, Ashoka was born as the son of the Maurya Emperor Bindusara by a relatively lower ranked queen named Dharma. He was the grandson of another great king and the founder of the Maurya Dynasty, Chandragupta Maurya.

He was a great warrior. He was a fearsome hunter and according to a legend, he killed a lion with just a wooden rod. He was considered as "Chandashoka" which means murderer and heartless Ashoka.

Ashoka expanded boundaries of his empire. At this point he was called 'Chakravarti' which means 'he for whom the wheel of law turns'.

However, the conquest of Kalinga turned the wheel of fortune for him. The repentance at the brutality of the conquest led him to embrace Buddhism. He undertook a 256 Pilgrimage to holy places of Buddhism in north India.

From that point, Ashoka, who had been described as the cruel Ashoka (Chandashoka) started to be described as the pious Ashoka (Dharmashoka). He built thousands of stupas including sanchi, rest houses for travellers and pilgrims free of charge. Slaughter of animals was abolished. This made him great.

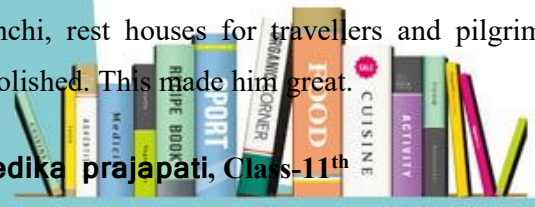

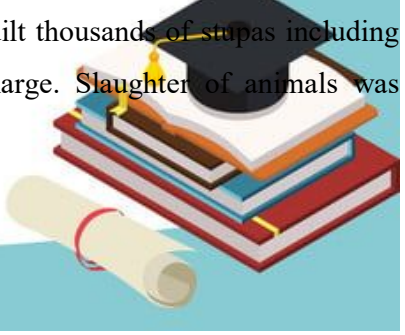

Vedika prajapati, Class-11th

YOGA

Yoga is a mental, physical and spiritual practice which helps in attaining a great mind, body and soul.

The word “Yoga” has descended from Sanskrit language which refers to Union.

Yoga has originated in an ancient India and dates back to the pre vedic times.

Yoga helps to fight stress, improve the immune system and overall personality.

The six branches of yoga are raja yoga, bhakti yoga, jnana yoga, karma yoga, mantra yoga and hath yoga .

Vanshika Mishra, Class-11th

विद्यालयीन गतिविधियाँ

प्रतिवेदन

प्रतिवेदन

सतर्कता जागरुकता सप्ताह

केंद्रीय विद्यालय दाहोद में 30 अक्टूबर 2023 से 05 नवम्बर 2023 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया। जिसके अंतर्गत सभी शिक्षकों, शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए शपथ ली। इस अवसर पर विद्यालय में निबंध लेखन प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिनमें विद्यार्थियों ने बढ-चढ़ कर सहभागिता की। सतर्कता जागरुकता सप्ताह के अंतर्गत विद्यालय की वरिष्ठतम शिक्षिका श्रीमती अर्चना शर्मा ने भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए अपने उद्बोधन से विद्यार्थियों को लाभांवित किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री एनोश सैमसन ने अपने व्यापक व्याख्यान द्वारा विद्यार्थियों को एक आदर्श नागरिक बनने के लिए और देश की प्रगति में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के छायाचित्र-

RECIPE BOOK
SPORT
ORGANIC CORNER
FOOD
CUISINE

प्रतिवेदन

जनजातीय गौरव दिवस

केंद्रीय विद्यालय दाहोद में 15 नवम्बर 2023 को महान् स्वतंत्रता सैनानी भगवान बिरसा मुण्डा के जन्म-दिवस के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री एनोश सैमसन जी ने भगवान बिरसा मुण्डा के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर विद्यालय की कक्षा छठवीं की छात्राओं छवि चौरसिया और ममता मिश्रा ने भगवान् बिरसा मुण्डा के जीवनवृत्त पर आधारभूत जानकारियों से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। विद्यालय के संस्कृत शिक्षक श्री भूपेन्द्र परनामी ने जनजातीय गौरव दिवस के मनाए जाने के महत्त्व पर अपने विचार साझा कर विद्यार्थियों को ज्ञानांवित किया। विद्यालय प्राचार्य श्री एनोश सैमसन जी ने विद्यार्थियों को भगवान् बिरसा मुण्डा की तरह अपने देश की तरक्की के लिए यथाशक्ति अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने भगवान् बिरसा मुण्डा के व्यक्तित्व पर निबंध लिखकर और उनकी पेंटिंग बनकार उनको श्रद्धांजली दी। कार्यक्रम से सम्बंधित छायाचित्र-

केन्द्रीय विद्यालय दाहोद

केन्द्रीय विद्यालय दाहोद
भारतीय भाषा उत्सव

RECIPE BOOK
SPORT
ORGANIC CORNER
FOOD
CUISINE

प्रतिवेदन

संविधान दिवस

केंद्रीय विद्यालय दाहोद में 26 नवम्बर 2023 को भारतीय संविधान दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विद्यालय के प्राचार्य श्री ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया तत्पश्चात् सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के छायाचित्र पर पुष्पांजली अर्पित की। संविधान दिवस के अवसर पर सभी शिक्षकों-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक श्री भूपेन्द्र परनामी ने भारतीय संविधान और डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का परिचय प्रदान किया। इस अवसर पर विद्यालय में मौलिक अधिकार और कर्त्तव्य विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागी विद्यार्थियों ने मौलिक अधिकारों और कर्त्तव्यों पर विशद विवेचन प्रस्तुत किया। सभी विद्यार्थी इस कार्यक्रम से भारतीय संविधान से

परिचित हुए। विद्यालय की वरिष्ठतम शिक्षिका श्रीमती अर्चना शर्मा ने भारतीय संविधान की विशेषताओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया और भारतीय संविधान का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम से सम्बंधित छायाचित्र-

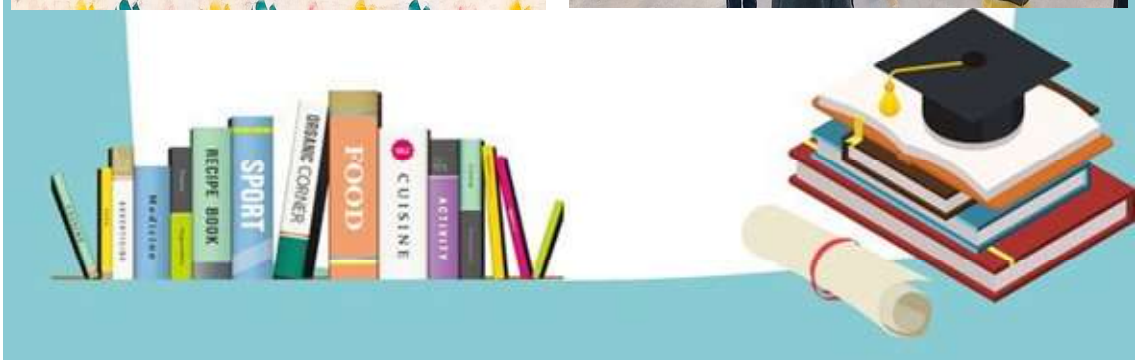

प्रतिवेदन

भारतीय भाषा उत्सव- 2023

केंद्रीय विद्यालय दाहोद में नवम्बर माह में भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत चार सप्ताह मनाए गए-

छठवाँ सप्ताह- जीवन मूल्य- लघु नाटिका, कहानी कथन आदि किसी अन्य भारतीय भाषा में- इस सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों ने गुजराती, मराठी, पंजाबी, छत्तीसगढी और राजस्थानी भाषा में कहानीयाँ प्रस्तुत की गई। विद्यार्थियों ने गुजराती भाषा में लघु नाटिका प्रस्तुत की।

सातवाँ सप्ताह- न्यूमैरेसी एवं गणित, स्थानीय भाषा में आधारभूत संख्यात्मक एवं गणित ज्ञान हेतु क्रियाकलाप- इस सप्ताह में गणितीय गतिविधि के अंतर्गत आधारभूत संख्यात्मक ज्ञान को गुजराती, मराठी, राजस्थानी और छत्तीसगढ़ी भाषा में प्रस्तुत किया।

आठवाँ सप्ताह- अपना कौशल प्रदर्शित करें, लोक नृत्य, लोकगीत आदि (अन्य भारतीय भाषा में- इस सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों ने लोकनृत्य और लोकगीत गुजराती और छत्तीसगढ़ी भाषा में प्रस्तुत किए।

नवाँ सप्ताह- मेरी सोच मेरा विचार, निबंध लेखन, भाषण आदि- इस सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों ने गुजराती भाषा में भाषण प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम से सम्बंधित छायाचित्र-

कला दीर्घा

Drawing of Krishna Bhagwan

Chhavi Chawrasiya
DATE - 16/9/2023

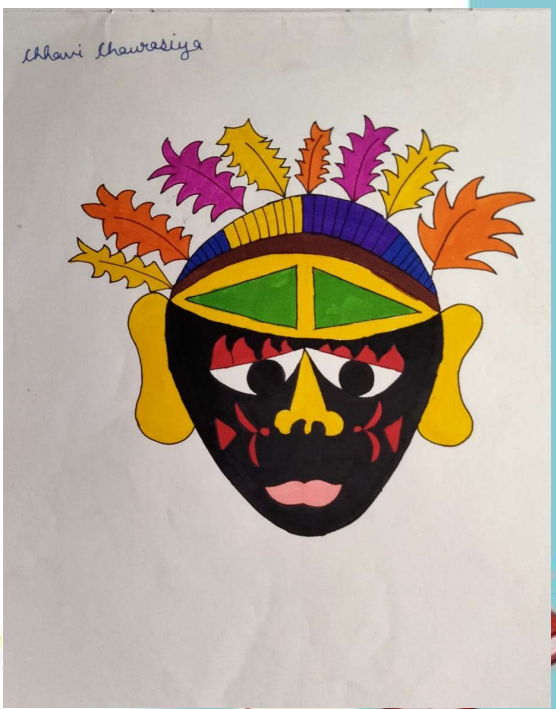
Chhavi Chawrasiya

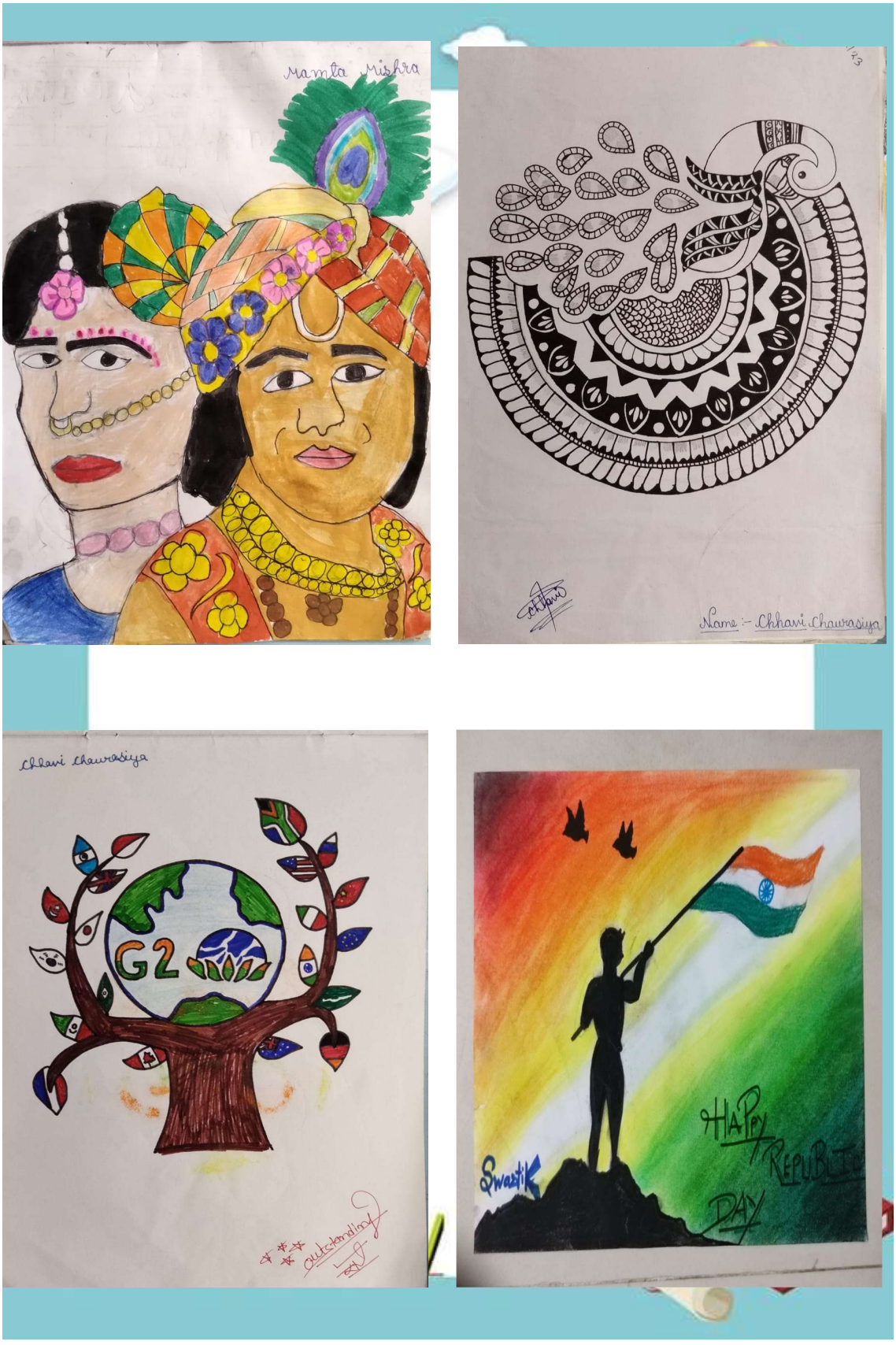

Mamta Mishra

Name :- Chhavi Chaurasiya

Chhavi Chaurasiya
G2
outstanding

Swastik
HAPPY
REPUBLIC
DAY

धन्यवाद

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

नवंबर-2023